

# श्री रणवीर - केन्द्रीय - संस्कृत - विद्यापीठम्

काश्मीर-शैवदर्शन-विभागः

प्रवेश संख्या 17 --- विषय : शैवदर्शनम् क्रम सं. 14 ---

नाम देवस्थदेवता चक्रस्तोत्रम् ग्रन्थकार नाम -----

पत्र सं. 1 --- अक्षर सं. (पंक्तौ) शब्द 8 --- पंक्ति सं. (पृष्ठे) 19 ---

आकारः 5" x 7" --- लिपिः शारदा --- आधारः कागज ---

वि. विवरणम् पूर्ण ---

पर्यवेक्षक : -----

दिनांकः 16-5-2000





नैरुडमलगठैव भक्तयेउसु कृष्णभेद १  
 नृणभमिभूतिउयं निहभं वेष्टुं सक्तिम् ॥७॥  
 यस्मिभमिभूतलभंभु कृष्णयः भूयः  
 भेद उधयडिठैवडं कृष्णयः नृभमि  
 वरुणीम् ॥००॥ वरुडउय विस्मय कृष्णयः  
 निधनमकय प्रणयडिठैवडं भिक्तु  
 कृष्णयः ॥००॥ एतथडि किमलय निलयः  
 यत्रिहं विविधयः कृष्णयः प्रणयडिठैव  
 डं कृष्णयः नृभमिभूतलभंभु ॥०३॥  
 नृममलभु ठैव भक्तयेउ थरिभैल चिमिडै  
 नृणभमिभूतलभंभु कृष्णयः  
 कृष्णयः ॥०३॥ यत्रुचैव प्रणयः यत्रिहं  
 निलयः कृष्णयः भूतलभंभु कृष्णयः  
 नृमि ॥०४॥ भंभुममलभु भूतलभंभु  
 भूतलभंभु निलयः नृमिभूतलभंभु  
 मकय मवडं मकय ॥०५॥  
 नृमिभूतलभु मवडं मकय भूतलभंभु  
 यत्रुचैव ॥०॥